टायर फटने से वैन असंतुलित होकर बोलेरो से टकराई, दो बालिकाओं की मौत

हादसा इतना भयंकर था कि कुछ स्कूली बच्चे वैन में फंस गये एवं कुछ बच्चे दूर जाकर गिर गये

कोटा/इटावा, (निसं)। इटावा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई एवं करीब 10 स्कूली बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को इटावा के चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां से गंभीर घायल छह बच्चों को कोटा रैफर कर कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा इतना भंयकर था कि कुछ स्कूली बच्चे वैन में फंस गये एवं कुछ बच्चे दूर जाकर गिर गये।

पुलिस उप अधीक्षक शिवम जोशी ने बताया कि स्कूली वैन बच्चों को लेकर गेंता से इटावा के निजी स्कूल हैप्पी एंड जॉयनेस छोड़ने जा रही थी। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि गेंता और इटावा के बीच गेंता रोड पर अचानक से वैन का टॉयर फटने से वैन असंतुलित होकर सामने से आ रही बोलेरो से टकरा गई। वैन में 12 स्टूडेंट एवं एक चालक सवार था, जिसमें से दो स्कूली छात्राओं जिसमें से एक चौथी क्लास की छात्रा पारूल एवं दसवीं क्लास की छात्रा तनु नागर की मौत हो गई, हादसे में घायल वैन चालक सहित घायल स्कूली बच्चों को कोटा रैफर किया गया एवं बाकि बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

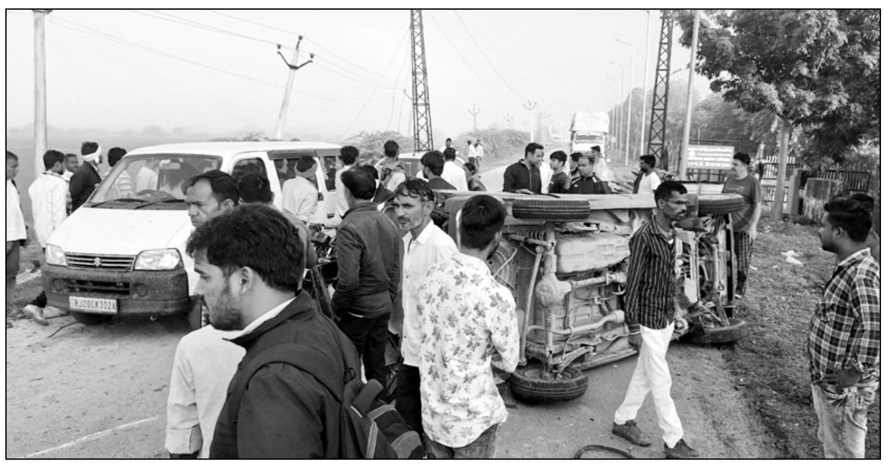

इटावा क्षेत्र में स्कूली वैन पलटने के बाद मौक पर लोगों बचाव कार्य शुरु किया।

- हादसे में 10 स्कूली बच्चे घायल, सभी को इटावा के चिकित्सालय में भर्ती कराया, छह बच्चे कोटा रेफर
- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर तत्काल चिकित्सालय पहुंचे और घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी

पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने बताया कि स्कूली वैन इटावा के गुमानपुरा में स्थित एक प्राईवेट स्कूल के बच्चों को लेकर शनिवार सुबह स्कूल छोड़ने जा रही थी। रास्ते में वैन का टायर फटने से असंतुलित होकर सामने से आ रही बोलेरो से टकरा गई जिससे दोनों वाहन मौके पर पलट गये। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही पीपल्दा विधायक चेतन पटेल, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष प्रेमचंद गोचर, इटावा नगर पालिका अध्यक्ष रजनी सोनी भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली साथ ही हादसे में मृतक बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी।

हादसे में घायलों में भूमिका ग्वालियरा (13), रोनित नागर (11), प्राची नागर (10), सागर सुमन (13), खनन नागर (8), हिमानी आकोदिया (8) निवासी गेंता की हालत गंभीर होने पर कोटा रैफर किया गया जहां इनका उपचार किया जा रहा है। वहीं परिधि शर्मा, कियान आर्य, सुनिधि शर्मा, पीयूष कलवार को प्राथमिक उपचार के बाद घर भिजवा दिया।

शिक्षा मंत्री अस्पताल पहुंचे:- हादसे की सूचना मिलते ही शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर तत्काल महाराव भीम सिंह चिकित्सालय पहुंचे और अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी। शिक्षा मंत्री ने बताया की सभी भर्ती घायल खतरे सें बाहर है। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने अस्पताल में भर्ती सभी बच्चों को देखा और उनके परिजनों सें बात की। मंत्री दिलावर ने चिकित्सकों को सभी घायलों को समुचित उपचार और चिकित्सकीय देखभाल करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई कमी या कोताही नहीं बरती जाए। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल में जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर संगीता सक्सेना, महाराव भीम सिंह अस्पताल के अधीक्षक धनराज मीणा, संयुक्त निदेशक शिक्षा कोटा संभाग रुपेश मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा रामचरण मीणा सहित प्रशासनिक अधिकारी व डॉक्टर मौजूद थे।

ट्रोला ने बाइक को मारी टक्कर, दंपती की दर्दनाक मौत

इटावा, (निसं)। इटावा स्टेट हाइवे वन ए पर गैंता रोड आनासर के पास एक कंटेनर ट्रोला ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार दंपती की टायर के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके साथ बैठा उनका 7 वर्षीय बालक उछल कर दूर जा गिरा जिसके कारण हल्की चोट आई और सुरक्षित बच गया, जिसको उपचार के लिए इटावा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की सूचना के बाद इटावा डीएसपी शिवम जोशी और पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचे और शवों को इटावा अस्पताल की मोर्चरी में लाया गया।

- सात वर्षीय बालक उछलकर दूर जा गिरा और सुरक्षित बच गया

इटावा डीएसपी शिवम जोशी ने बताया कि धर्मराज मीना (35) वर्ष पत्नी कृष्णा (33) वर्ष व पुत्र अक्षत 7 वर्ष के साथ मांगरोल जिला बारां से जयपुर जा रहा था। इस दौरान इटावा-गैंता के बीच गैंता की ओर से आ रहे कंटेनर ट्रोला ने टक्कर मार दी जिससे धर्मराज व उसकी पत्नी कृष्णा के ट्रोले के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। पुत्र अक्षत घायल है जिसका उपचार किया जा रहा है। मृतकों के शवों का इटावा उपजिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपर्द कर दिया।

मृतक धर्मराज के भतीजे बंटी मीना ने बताया कि धर्मराज पिछले चार साल से जयपुर में अपने परिवार के साथ रहता था, जो जयपुर में पेंटिंग और मजदूरी का काम करता था। दीपावली पर अपने गांव आया था। हंसी खुशी दीपावली का त्यौहार मनाया और अपने ससुराल से शनिवार सुबह बाइक से जयपुर के लिए रवाना हुए थे कि इटावा के पास दुर्घटना की सूचना मिली जिसके बाद परिवार जनों का रो-रो कर हाल बुरा हो रहा है।

युवक की हत्या के तीन आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला

अलवर, (निसं)। अलवर के गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास मेले में मोमोज की दुकान पर झगड़े के दौरान 22 साल के युवक की छुरा घोंपकर हत्या करने के तीन आरोपियों का शनिवार को पुलिस ने जुलूस निकाला। दो आरोपी जुलूस में लंगड़ाते हुए निकले। अभी कई आरोपियों की तलाश जारी है। हत्या के बाद अलवर जिला अस्पताल में मेव समाज के लोगों विरोध किया था। आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की मांग की थी।

- मेले में मोमोज की दुकान पर झगड़े के दौरान युवक की छुरा घोंपकर हत्या कर दी थी

घटना 29 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे की थी। जब गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास लगे मेले में कुछ युवाओं के बीच झगड़ा हुआ था। उस समय एक युवक पर बर्फ तोड़ने वाले छुरे से हमला कर दिया। सीने में छुरा घुसने से गोविंदगढ़ क्षेत्र के खेड़ी बहादुर गांव निवासी वकार (20) पुत्र फकरुद्दीन की मौत हो गई थी। वह अपने दोस्त तालीम, अरशद और बरकत के साथ गोविंदगढ़ में लगे ट्रेड फेयर में घूमने गया था। वहां मोमोज की दुकान पर तालीम का छैल बिहारी से झगड़ा हो गया। छैलबिहारी के साथ राजेश, रविंद्र, बलदेव, केदार, खेमू व रवि सहित तीन-चार अन्य युवक भी थे। वकार ने बीच-बचाव करने लगा। इसी दौरान छैलबिहारी ने छुरा मार दिया था। इससे वकार लहूलुहान होकर गिर गया। उसे गोविंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे अलवर रेफर कर दिया। वहां उसकी मौत हो गई। उसके अगले दिन जिला अस्पताल में मेव समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। अलवर मेव बोर्डिंग के पूर्व सदर शेर मोहम्मद ने चेताया था कि सबकी तुरंत गिरफ्तारी हो। आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। जैसे पहले हुई एक हत्या के मामले में अवैध निर्माण हटाया गया था।

डोडा-चूरा तस्कर को 20 वर्ष का कठोर कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) जगदीश प्रसाद शर्मा ने अफीम डोडा-चूरा तस्करी के एक मामले में आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 2 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

- ट्रैक्टर-ट्रॉली में गिट्टी के निचे लगभग 414 किलो डोडा-चूरा बरामद हुआ था

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

जानकारी के अनुसार कार्यवाहक बीगोद थानाधिकारी रोहिताश देवंदा को सूचना मिली थी कि नन्दराय रोड से गुजरने वाली एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने गोविन्दपुरा-नन्दराय रोड पर नाकाबंदी की। थोड़ी देर बाद एक स्वराज ट्रैक्टर मय ट्रॉली दिखाई दिया, जिसे रोककर चालक से पूछताछ की गई तो चालक ने खुद को मुकेश बैरवा पिता शंकर लाल बैरवा निवासी जोजवा होना बताया। ट्रैक्टर-ट्रॉली में गिट्टी भरी हुई थी, जिसे हटाकर तलाशी ली गई तो उसके नीचे 20 प्लास्टिक की थैलियां मिली, जिनमें अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ था। डोडा-चूरा का वजन लगभग 414 किलो 500 ग्राम हुआ। मौके पर आरोपी मुकेश बैरवा को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट पेश की। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने 12 गवाह और 109 दस्तावेज प्रस्तुत किए। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

मंडोर मंडी में नकली के संदेह में घी पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर मंडी परिसर में पुलिस की क्राइम स्पेशल टीम ने एक फर्म पर रेड दी। वहां पर नकली घी का कारोबार होने के संदेह में कार्रवाई की गई। मौके से भारी मात्रा में घी पैंकिंग का सामान मिला। 37 टिन घी भी मिला है। घी की सैंपलिंग भी मौके पर की गई। फिलहाल घी की गुणवत्ता के बाद ही पता लगेगा कि वह सही है या नकली है। मौके से पैंकिंग मशीन भी मिली है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश के दिशा निर्देश पर मंडोर मंडी परिसर में एक फर्म पर रेड दी गई। पुलिस को वहां नकली घी तैयार होने और रखे जाने की जानकारी मिली थी। इस पर पुलिस की सीएसटी ने वहां रेड दी। फर्म में 37 टिन घी रखा हुआ था, जिसकी सैंपलिंग की गई। फर्म काफी अंदर तक फैली होने पर वहां से काफी सामग्री भी जब्त की गई। दोपहर तक प्रकरण दर्ज नहीं हो पाया था। प्रकरण दर्ज के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एवरग्रीन इन्फोसॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी पर 60 करोड़ की ठगी का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रोपर्टी दलाल और ठेकेदारी का काम करने वाले व्यक्ति से लाखों रूपए की ठगी एवरग्रीन इन्फोसॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा करने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर उससे रूपए ऐंठ लिए, मगर ना तो लाभांश मिला और ना ही मूल रकम वापिस मिल पाई। बताया जाता है कंपनी ने कई लोगों से शेयर में निवेश के नाम पर करीब 60 करोड़ रूपए ऐंठे हैं। जोधपुर के प्रोपर्टी दलाल-ठेकेदार की तरफ से महामंदिर थाने में अब रिपोर्ट दी गई है। नंदवान, सालावास निवासी पुरूषोत्तम मारू पुत्र फूकाराम ने यह रिपोर्ट दी है।

- कंपनी के प्रतिनिधियों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर निवेशकों से रुपये ऐंठे
- जोधपुर के प्रोपर्टी दलाल और परिचितों से तीन करोड़ की ठगी, केस दर्ज

रिपोर्ट के अनुसार वह प्रोपर्टी की दलाली एवं मकानो के निर्माण के ठेकेदारी का कार्य करता है। उसके पूर्व परिचित घनश्याम अग्रवाल निवामी नागौरी गेट ने फोन कर बताया कि कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने मिलकर एक बहुत बड़ी कम्पनी का निर्माण किया है जो कि शेयर बाजार में राशि का निवेश कर बड़ा मुनाफा कमाती है। मासिक लाभांश के तौर पर 4 से 8 प्रतिशत मासिक का भुगतान निवेशकों को करती है तथा मूल जमा धनराशि को पुनर्भुगतान करने की भी गारंटी लेती है, जिसमें चैक देकर व स्टाम्प देकर विश्वास में लेती है। बाद में पुरूषोत्तम बातों में आकर मानजी का हत्था स्थित ऑफिस पर 20 जुलाई 2022 को पहुंचा, जहां पर नरपतराम चौहान, नरेन्द्र कुमार गहलोत, जितेन्द्र, महेन्द्र तथा हीरालाल ट्रेडर व अन्य लोग मिले। इन लोगों ने किसी रामलाल चौधरी आदि के करोड़ों रूपए निवेश होने तथा उनको लाभांश वितरण के दस्तावेजात दिखाये। झांसे में आए पुरूषोत्तम ने 21 जुलाई 2022 को नगद 12 लाख रूपए उन्हे दिए। उसे पुरस्कार दिलाने और अन्य लोगों से मिलवाने के लिए कहा गया। इस तरह परिचितों व रिश्तेदारों द्वारा इन सभी अभियुक्तों की बातों में आकर एवं प्रलोभन में लेकर करीब तीन करोड़ रूपये का निवेश कम्पनी में करवा लिया। आरोपियों ने पीड़ित का एकाउंट का सारा ऐक्सेस (अधिकार) अपने पास रखा और जिसकी जीएसटी टैक्स भी इन्हीं कम्पनी के मालिकों द्वारा जमा करवाई जाती। पीड़ित को बाद में परिचित घनश्याम ने बताया कि इन लोगों ने दुबई में भी ऑफिस खोल रखा है तथा यह गैर कानूनी फोरेक्स मार्केट में राशि लगाकर ट्रेडिंग कर लांभाश देते हैं। इन सभी को गैर कृत्य नहीं करने और मेरे व मेरे परिवार व परिचित निवेशकों की मूल राशि लौटाने को कहा तब वे धमकाने लगे। अक्टूबर 2024 से ना तो लांभाश दिया और ना ही मूल रकम को लौटाया। आरोप है कि कंपनी में निवेश के नाम पर अन्य कई राज्यों में ठगी की गई है और करीब 60 करोड़ रूपए लोगों से ऐंठे गए हैं।

ग्रामीणों ने बजरी माफिया के खिलाफ मोर्चा खोला

ग्रामीणों ने गांव से गुजर रही बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोका

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह उपखंड के पंवालिया गांव में अवैध बजरी परिवहन से परेशान ग्रामीणों ने बजरी माफिया के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए ग्रामीणों ने गांव से गुजर रही करीब एक दर्जन बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोक दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने सभी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरी बजरी को बालाजी मंदिर निर्माण स्थल पर खाली करवाया और उन्हें वापस भेज दिया।

- ग्रामीणों ने सभी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरी बजरी को खाली करवाया

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कई बार शिकायतें की गई थीं, लेकिन पुलिस प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर यह कदम उठाया। घटना के दौरान ग्रामीणों ने मोर थाना पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची। इससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ट्रैक्टर चालक दिन-रात तेज गति से गांव से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है, वहीं तेज आवाज में टेप रिकॉर्डर बजाने से भी परेशानी होती है जिसके बाद ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि अब गांव से किसी भी अवैध बजरी ले जाने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली को गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से अवैध बजरी परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

4000 नशीले कैप्सूल जब्त

पदमपुर, (निसं)। घमुड़वाली पुलिस ने गश्त के दौरान 4000 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थाना प्रभारी सीआई रघुवीर सिंह बीका के नेतृत्व में घमुड़वाली क्षेत्र में की गई। पुलिस ने बताया कि 12 मासी नहर के पास गश्त के दौरान एक बाइक पर सवार चार युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पुलिस टीम ने रोककर पूछताछ की, लेकिन वे जवाब नहीं दे पाए। तलाशी लेने पर उनके पास से 20 डिब्बों में भरे 4000 नशीले कैप्सूल बरामद हुए।

दिल्ली-जयपुर गरीब रथ के कोच के नीचे आग लगी

अलवर, (निसं)। अलवर के तिजारा फाटक के पास दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच के नीचे करीब 11.45 बजे अचानक आग लग गई। कोच से धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन झटके के साथ रुक गई। इसके बाद यात्री घबराकर नीचे उतर गए। सूचना मिलते ही ट्रेन कर्मचारी और इलेक्ट्रिशियन मौके पर पहुंचे। जांच में पाया गया कि कोच के ब्रेक चिपक गए थे, जिससे नीचे आग लग गई। ट्रेन में लगे फायर सिस्टम से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। कर्मचारियों ने करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद कोच के ब्रेक सही किए।आग पर नियंत्रण के बाद यात्रियों को फिर से ट्रेन में बैठाया गया। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रूप से रवाना किया गया, जो अलवर जंक्शन पहुंचने के बाद आगे जयपुर-अजमेर मार्ग के लिए निकल गई।

- हादसे के बाद ट्रेन झटके के साथ रुक गई, यात्री घबराकर नीचे उतर गए
- जांच में पाया गया कि ट्रेन के कोच के ब्रेक चिपक गए थे, जिससे नीचे आग लग गई

रेल कर्मचारियों ने मशक्कत के बाद कोच के ब्रेक सही किए।

दिल्ली से आए यात्री महेंद्र ने बताया कि ट्रेन अलवर स्टेशन से लगभग दो किलोमीटर पहले झटके के साथ रुकी थी। यात्री नीचे उतरे तो कोच के नीचे से सफेद धुआं निकलता दिखाई दिया। ट्रेन के इलेक्ट्रिशियन सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि घटना में किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, एहतियातन फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक कर्मचारियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया था।

स्टेशन मास्टर राजेश मीणा का कहना है कि अलवर से पहले खैरथल स्टेशन से चलने के बाद यात्रियों ने ट्रेन की चेन खींच दी। इसके बाद पहिए के पास लगी लबड़ गर्म हो गई। इसकी वजह से धुंआ उठा। अलवर शहर के पास बने रेलवे के केबिन के पास ट्रेन रुक गई। इसके बाद आग पर काबू पाया। जीआरपी थाने के एएसआई सत्येंद्र कुमार ने बताया कि ट्रेन के जी 7, जी 8 और जी 15 के कोच के पास आग लगी थी। इसके बाद यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए, जो अलवर जंक्शन पर उतरने वाले थे, वो वहीं से उतर कर चले गए।

लुधियाना में आतंकी हमले करने के षड्यंत्र में शामिल होने की आशंका, एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। लुधियाना में छठ पर्व पर आतंकी हमले करने के षड्यंत्र में शामिल होने की आशंका में पंजाब पुलिस ने श्रीगंगानगर कारागृह से विजयसिंह उर्फ कप्तान पुत्र मंगलसिंह को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस विजय को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। पंजाब पुलिस ने देर रात को लुधियाना में एक ग्रेनेड बरामद किया था। यह ग्रेनेड मंगवाए जाने की साजिश के मास्टरमाइंड अजय मलेशिया की पहचान में जुटी है।

- मामले में पंजाब पुलिस ने श्रीगंगानगर कारागृह से विजयसिंह उर्फ कप्तान पुत्र मंगलसिंह को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया
- पंजाब पुलिस ने देर रात को लुधियाना में एक ग्रेनेड बरामद किया था, यह ग्रेनेड मंगवाए जाने की साजिश के मास्टरमाइंड अजय मलेशिया की पहचान में पुलिस जुटी है
- लुधियाना पुलिस के अनुसार बरामद हुआ हैंड ग्रेनेड मैड इन चाइना है, लेकिन प्रांरभिक छानबीन में पता चला कि यह पाकिस्तान से भारत पहुंचा
- अजय सिंह के हेरोइन तस्कर भाई को प्रोडक्शन वारंट पर श्रीगंगानगर से ले गई पंजाब पुलिस

विजयसिंह उर्फ कप्तान पुत्र मंगलसिंह मजबीसिख निवासी धरिंगांवाली पुलिस थाना केसरीसिंहपुर हेरोइन तस्करी के मामले में विचाराधीन बंदी है। मटीलीराठान पुलिस ने अगस्त के पहले सप्ताह में दौलतपुरा क्षेत्र के खेतों में एक पैकेट बरामद किया था। इसमें 522 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। बाद में हिंदुमलकोट थाना के जांच अधिकारी ने प्रकरण की जांच करते हुए विजयसिंह, करणवीरसिंह, गगनदीप, हरमेशसिंह रमदासिया और खुशप्रीतसिंह जटसिख को गिरफ्तार किया था। खास बात यह है कि विजय का भाई अजय सिंह मलेशिया में है। प्रारंभिक छानबीन में पुलिस को आशंका है कि हैंड ग्रेनेड भिजवाने की साजिश में विजय और उसका भाई अजय भी शामिल हैं। ये दोनों सगे भाई धरिंगवाली के निवासी है। इनकी उम्र 20 से 27 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस अजय के चचेरे भाई करणवीर से भी पूछताछ रही है।

सूत्रों के मुताबिक जांच के दौरान सबसे बड़ा नाम सामने आया है अजय, जो फिलहाल मलेशिया में रह रहा है। सूत्रों के अनुसार, अजय ही इस पूरे मॉड्यूल को विदेश से संचालित कर रहा है और पंजाब में सक्रिय कोरियर ब्वॉय को निर्देश देता है। सूत्रों का दावा है कि अजय का सीधा संबंध आईएसआई से है। अजय ही जेल में बंद आरोपियों के संपर्क में था और वहीं से नए कोरियर ब्वॉय हायर किए जा रहे थे। पुलिस का अब फोकस इस पूरे मॉड्यूल के कमांड सेंटर पर है, यानी मलेशिया कनेक्शन और जेल लिंक दोनों की गहराई से जांच की जा रही है। ग्रेनेड मिलने के मामले में सूत्रों से पता चला कि पंजाब में सतलुज नदी पर छठ पूजा समारोह को टारगेट किया जाना था।

लुधियाना के एसीपी नार्थ कीकर सिंह ने भीड़ वाले इलाके में हमले की बात की पुष्टि की है। पकड़े आरोपियों को अमृतसर बॉर्डर एरिया से हैंड ग्रेनेड लेकर लुधियाना तक पहुंचाने का जिम्मा दिया गया था। लुधियाना में जालंधर बायपास के पास टाइगर सफारी के नजदीक उक्त बम छिपाया जाना था। वहां से बम को आगे सतलुज नदी के पास कोई अन्य व्यक्ति लेकर जाने वाला था। बम लेकर सभी युवक शनिवार को ही लुधियाना के शिवपुरी इलाके में छुप गए थे। जब रविवार रात बम लेकर टाइगर सफारी की तरफ जा रहे थे तभी पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि दो फरार हो गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया।

धिरंगावाली के अजय व विजय का चचेरा भाई भी पंजाब पुलिस की गिरफ्त में : लुधियाना में ग्रेनेड मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों से पूछताछ के बाद पंजाब पुलिस मास्टरमाइंड अजय मलेशिया की पहचान में जुटी है। पुलिस पिछले चार-पांच दिन में अलग-अलग जेलों से तीन युवकों को प्रोडक्शन वारंट अपने साथ ले गई। इनमें करणवीर भी शामिल है। जिस वाट्सएप नंबर से अजय पांचों युवकों के संपर्क में था। उस नंबर को भी पुलिस ट्रेस करने में जुटी है। अभी तक पकड़े गए आरोपी कुलदीप, शेखर सिंह, अजय कुमार, परमिंदर सिंह और रमनीक सिंह से खुलासा हुआ था कि अजय पंजाबी बोलता है। वह अक्सर पंजाबी में ही इन्हें कमांड देता रहा है। पंजाब पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पकड़े गए कुलदीप और शेखर सिंह दोनों को ग्रेनेड रखने के बाद फोटो खींचने का टारगेट मिला था। ग्रेनेड चलाने वाले कोई और ही थे, जिन्होंने बीते रविवार की रात को ही चिह्नित जगह से ग्रेनेड ले जाकर भीड़ भरे क्षेत्र में धमाका करना था। पुलिस टीमें अमृतसर में भी छानबीन कर रही है, जहां कुछ संदिग्ध युवकों के बारे अधिकारियों को क्लू मिले।

लुधियाना पुलिस ने रविवार की देर रात को कुलदीप को वहां शिवपुरी चौक से गिरफ्तार कर बैग से हैंड ग्रेनेड बरामद किया था। मौके से अजयकुमार व शेखर फरार हो गए थे। इस मामले में लुधियाना पुलिस ने अजय कुमार व शेखर को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में रमनीक व परविंदर को लाया गया। लुधियाना पुलिस के अनुसार बरामद हुआ हैंड ग्रेनेड मैड इन चाइना है, लेकिन प्रांरभिक छानबीन में पता चला कि यह पाकिस्तान से भारत पहुंचा।

अजमेर रेल मंडल में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान शुरु

अजमेर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर रेल मंडल में पेंशनरों के लिए एक नवंबर से नेशनवाइड डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन 4.0 की शुरुआत की गई है, जिसके तहत 4 नवम्बर से मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और बैंक परिसरों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा के निर्देशों के अधीन वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अशोक कुमार मीणा के नेतृत्व में चलाया जा जाएगा। रेलवे पेंशनरो के लिए "डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र 4.0" कैंप का आयोजन नवम्बर 2025 में बैंकों में दिए जाने वाले जीवन प्रमाण पत्र को डिजिटल रूप से सत्यापन करने व डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने की प्रक्रिया सिखाने हेतु अजमेर मंडल द्वारा निर्धारित तिथियों को अलग-अलग उपयुक्त स्थानों पर कैंप लगाया जा रहा है। जिसमें रेलवे के पेंशनरों को अपने नजदीकी कैंप में निर्धारित तिथि को समय सुबह 10 से 5 बजे तक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने की प्रक्रिया सिखने व डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने के लिए साथ में आधार कार्ड, खाता सं., पीपीओ प्रति व मोबाइल लाना होगा।